राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 348 | जौनपुर | गुरूवार, 07 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

साइबर फ्रॉड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह ईडी ने दिल्ली–एनसीआर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 11 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। साइबर ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर कई विदेशी और भारतीय नागरिकों को ठगा था। यह छापे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। ईडी ने बुधवार सुबह दिल्ली के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में छापे मारे। प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय और विदेशी नागरिकों से ठगों ने पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की। इन लोगों को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनसे बड़ी धनराशि वसूली गई। इसके अलावा, आरोपी खुद को माइक्रोसॉफ्ट या अमेजन की तकनीकी सहायता टीम का सदस्य बताकर भी लोगों को झांसे में लेते थे और उनसे ठगी करते थे। पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर आरोपियों के पास ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने इस प्रकार से करीब 260 करोड़ रुपए की रकम बिटकॉइन के रूप में अलग–अलग क्रिप्टो वॉलेट्स में जमा की थी। इन बिटकॉइन्स को बाद में यूएसडीटी (क्रिप्टो टोकन) में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया।

ईडी के सामने पेश हुए एक्टर विजय देवरकोंडा

हैदराबाद , (एजेंसी)। अभिनेता विजय देवरकोंडा बुधवार को बेटिंग ऐप्स प्रमोशन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। वह सुबह करीब 11 बजे हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचे। ईडी विजय से बेटिंग ऐप्स के साथ उनके करार और प्रचार के लिए मिले भुगतान के बारे में पूछताछ कर सकती है। विजय इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाले दूसरे अभिनेता हैं। इससे पहले, 30 जुलाई को अभिनेता प्रकाश राज से पांच घंटे तक पूछताछ हुई थी। प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने साल 2016 में एक सट्टेबाजी ऐप के लिए विज्ञापन किया था, लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई भुगतान नहीं लिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि यह विज्ञापन नहीं करना चाहिए था। ईडी ने हाल ही में अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और लक्ष्मी मांचू को इस मामले में समन जारी किया था। राणा दग्गुबाती को 23 जुलाई को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने नई तारीख मांगी। इसके बाद उन्हें 11 अगस्त को पेश होने का नया नोटिस जारी किया गया। वहीं, लक्ष्मी मांचू को 13 अगस्त को ईडी के सामने हाजिर होने को कहा गया है।

कल्याण की बताई राह पर चला रहे सरकार : सीएम योगी

अलीगढ, (एजेंसी)। पश्चिमी यूपी के दौरे में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कुछ चुनावी मोड में दिखे। हालांकि अंदाज सधा हुआ था लेकिन उनके इशारे बता रहे थे कि उन्होंने चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। यही वजह मानी जा रही कि उन्होंने कलेक्ट्रेट में संवाद–समीक्षा में विकास कार्यों पर भी जमकर दिल खोला। साथ ही नुमाइश के संबोधन में राजा महेंद्र प्रताप व कल्याण सिंह का भी जमकर गुणगान किया। शायद इन्हीं तथ्यों के सहारे राजनीतिक गलियारों में कहा जा रहा है कि उन्होंने पंचायत चुनाव व आगामी 2027 विधानसभा चुनाव का रोडमैप बनाना शुरू कर दिया है। बात अगर संवाद–समीक्षा कार्यक्रम की करें तो उन्होंने बहुत ज्यादा किसी की नहीं सुनी। बस चंद सवाल किए। प्रमुख समस्याओं पर खुद अपनी ही ओर से चर्चा की। कुछ पर गुस्सा दिखाया। फिर पहले से विधायकों द्वारा दिए जा चुके प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पढ़कर सुनाया। जिन पर उन्होंने दिल खोलकर दिखा दिया। सभी प्रस्ताव विधानसभावार बेहद महत्वपूर्ण रहे। जिस पर उन्होंने जल्द डीपीआर बनवाने के निर्देश के साथ जो इस वर्ष में स्वीकृत हैं। उन पर निर्माण शुरू कराने व जिनके बजट स्वीकृत नहीं हैं। उनको आगामी यानि वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत कराने के निर्देश व अपने स्तर से भरोसा दिलाया। जब वे नुमाइश में संबोधन कर रहे थे, तब उन्होंने अलीगढ़ को देश के बड़े जाट नेता रहे राजा महेंद्र प्रताप सिंह सरीखे क्रांतिकारियों व देश के बड़े लोध नेता रहे कल्याण सिंह सरीखे देश का नेतृत्व करने वाले राजनीतिक व्यक्ति की धरती बताया। कहा कि जब भी अलीगढ़ का नाम आता है तो कल्याण सिंह की तस्वीर खुद ही जेहन में नुमाया हो जाती है। कहा कि वह कल्याण सिंह द्वारा बताई गई राह पर ही सरकार चला रहे हैं। उन्होंने अलीगढ़ के ताले को पहचान दिलाने के लिए यहां तालानगरी बनवाई। आज उन्हीं की बताई राह पर सरकार ओडीओपी के तहत हर जिले के एक उत्पाद को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

राज्यसभा में पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में बुधवार को पूर्व सदस्य दिवंगत सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को नयी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति ने मलिक के निधन का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने उच्च सदन में उत्तर प्रदेश का दो बार, 1982 से 1989 तक प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई 1946 को जन्मे मलिक ने नौवीं लोकसभा में अलीगढ़ का प्रतिनिधित्व किया था। हरिवंश के अनुसार, उप्र विधानसभा के सदस्य रह चुके मलिक ने चार राज्यों – बिहार (2017), जम्मू और कश्मीर (2018), गोवा (2019) और मेघालय (2020) के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। उपसभापति ने कहा कि मलिक के निधन से देश ने एक बेहतर प्रशासक, एक उत्कृष्ट पूर्व सांसद तथा एक मुखर राजनीतिक नेता को खो दिया है। सदन में मौजूद सदस्यों ने मलिक के सम्मान में कुछ पलों का मौन रखा और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सीएम रेवंत ने सांसदों के साथ दिल्ली में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर एक बड़ा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का मकसद था तेलंगाना विधानसभा द्वारा पास किए गए पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण बिलों को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलवाना। रेवंत रेड्डी के साथ बड़ी संख्या में तेलंगाना कांग्रेस के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर इन बिलों को लटका रही है। बता दें कि मार्च 2025 में तेलंगाना विधानसभा ने दो अहम बिल पास किए थे, जिनमें पिछड़े वर्गों (बीसी) को शिक्षा, नौकरियों और स्थानीय निकायों में 42ः आरक्षण देने का प्रावधान है। यह कदम पिछड़े वर्गों को ज्यादा प्रतिनिधित्व और अवसर देने के लिए उठाया गया था। बिल पास होने के बाद राज्यपाल के जरिए इन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा गया, लेकिन अब तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। विरोध प्रदर्शन के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि हमने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा, लेकिन अब तक अपॉइंटमेंट नहीं मिला। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह राष्ट्रपति पर दबाव बना रहे हैं कि तेलंगाना के लोगों से मुलाकात न हो। उन्होंने आगे कहा कि हम ओबीसी समाज के साथ हैं, राहुल गांधी ओबीसी समर्थक हैं, जबकि नरेंद्र मोदी ओबीसी विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि अगर मोदी ये आरक्षण मंजूर करते हैं ।

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से मची तबाही

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जारी भारी बारिश के बीच बुधवार सुबह धराली में आपदा पीड़ितों की तलाश के लिए बचाव एवं राहत कार्य फिर शुरू किया गया। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। मंगलवार दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में करीब आधा गांव तबाह हो गया था। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। डिस्क्लेमररू प्रभासाक्षी ने इस खब्बर को संपादित नहीं किया है। यह खब्बर पीटीआई–भाषा की फीड से प्रकाशित की गयी है। उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना स्थल पर आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और बीआरओ की टीमें बचाव अभियान चला रही हैं। अधिकारी के अनुसार, अब तक 150 लोगों को बचाया जा चुका है। एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शहीदी ने बचाव अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, श्आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और बीआरओ की टीमें घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रही हैं। लगभग 150 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। हमारी तीन टीमें रास्ते में हैं और सड़क खुलते ही वे घटनास्थल पर पहुँच जाएँगी। पंतनगर, गौचर और जोशीमठ में हमारी टीमें तैयार हैं। मौसम में सुधार होते ही उन्हें भेजा जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ का आकलन करने के लिए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (ईओसी) में एक आपदा प्रबंधन बैठक की। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की और उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के बारे में जानकारी ली। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति का भी जायजा लिया। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अनुसार, उत्तराखंड में लगातार भारी बारिश के कारण उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच एनएच–34 राजमार्ग पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पापड़गाड़ में 100 मीटर का हिस्सा बह गया है और धराली के पास भारी मलबा आने से सड़क अवरुद्ध हो गई है।

पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर कर्तव्य भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिससे दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालयधविभाग और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल 10 भवनों का निर्माण होना है। इनमें से कर्तव्य भवन–3 बनकर तैयार हो गया है, इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। परियोजना पूरी होने के बाद किराये के तौर पर खर्च होने वाले 1500 करोड़ रुपये की बचत होगी। लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल6 मंजिल) हैं। वर्तमान में, कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं, जो 1950–70 के दशक में बनाई गई थीं। भवन में सुरक्षित और आईटी–सक्षम कार्यस्थल, स्मार्ट एंट्री सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कमांड सेंटर, सोलर पैनल, सौर वॉटर हीटर और ई–वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें अपशिष्ट जल का पुनरू उपयोग, ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। इमारत को ठंडा रखने और बाहरी ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए इसमें कांच की विशेष खिड़कियां लगाई गई हैं। कर्तव्य भवन को 30 प्रतिशत कम ऊर्जा खपत के लिए तैयार किया गया है। ऊर्जा की बचत करने वाली एलईडी लाइटें, जरूरत न होने पर लाइटें बंद करने वाले सेंसर, बिजली बचाने वाली स्मार्ट लगाई गई है।

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा चाहता है विपक्ष : खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टियां बिहार में चल रही शविशेष गहन पुनरीक्षणश (एसआईआर) यानी मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा पर संसद में चर्चा की मांग कर रही हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। खरगे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इस मुद्दे पर चर्चा से इनकार करती है, तो इसे ऐसा माना जाएगा कि वह लोकतंत्र और संविधान को नहीं मानती। उन्होंने कहा, श्एसआईआर पर चर्चा बेहद जरूरी है ताकि हर भारतीय नागरिक के मतदान के अधिकारों की रक्षा की जा सके। विशेष गहन पुनरीक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें चुनाव आयोग मतदाता सूची को दोबारा जांचेगा, ताकि उसमें किसी भी तरह की गलती, दोहराव या अपात्र नामों को हटाया जा सके और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ा जा सके। विपक्षी दलों का कहना है कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है, और इससे कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा सकते हैं, जिससे उनके वोट देने का अधिकार छिन सकता है। इसी वजह से वे इस पर संसद में खुली बहस चाहते हैं। खरगे ने यह भी कहा कि, श्अगर सरकार वाकई में लोकतांत्रिक मूल्यों को मानती है, तो उसे एसआईआर पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अनुसार, केंद्र सरकार एसआईआर पर चर्चा से बच रही है, जिससे शक पैदा होता है कि वह जानबूझकर इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रही है।

अदाणी के खिलाफ जांच के कारण ट्रंप के सामने खड़े नहीं हो पा रहे प्रधानमंत्री : राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में जांच हो रही है। अदाणी ने अपने समूह और खुद के खिलाफ पूर्व में लगाए गए अनियमितता से अभी आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत के लोग, कृपया समझें। बार–बार की धमकियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति ट्रंप के सामने खड़े नहीं हो पाने का कारण अदाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।'' उन्होंने दावा किया कि मोदी, ''डबल ए'' और रूसी तेल सौदों के बीच वित्तीय संबंधों के उजागर होने का भी खतरा है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। कांग्रेस नेता अंबानी और अदाणी को कई बार ''डबल ए'' कहकर संबोधित करते हैं।नयी दिल्ली, छह अगस्त (भाषा) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में जांच हो रही है। अदाणी ने अपने समूह और खुद के खिलाफ पूर्व में लगाए गए अनियमितता से अभी आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत के लोग, कृपया समझें। बार–बार की धमकियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति ट्रंप के सामने खड़े नहीं हो पाने का कारण अदाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।'' उन्होंने दावा किया कि मोदी, ''डबल ए'' और रूसी तेल सौदों के बीच वित्तीय संबंधों के उजागर होने का भी खतरा है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। कांग्रेस नेता अंबानी और अदाणी को कई बार ''डबल ए'' कहकर संबोधित करते हैं।

प्रियंका गांधी ने विपक्ष का संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 13वें दिन बुधवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई सांसदों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और बड़े पैमाने पर नाम हटाने के खिलाफ विरोध ा जताया। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई सांसदों ने हाथ में बैनर लिया, जिस पर लिखा था द एसआईआररू डिमांड डिस्कशन, नॉट डेलिटेशन यानी हटाओ नहीं, चर्चा करो। पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि क्या सरकार इतनी कमजोर हो गई है कि न संसद चला पा रही है और न ही अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जवाब दे पा रही है। उन्होंने कहा कि हम तो सिर्फ चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके लिए इसे सुलझाना आसान है? वहीं दूसरी ओर इसी मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने भी संसद परिसर में प्रदर्शन किया। उनके हाथों में बंगाल का अपमान बंद करो जैसे संदेशों वाले पोस्टर थे। इस बीच, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने राज्यसभा में काम स्थगन नोटिसश दिया ताकि इस मुद्दे पर चर्चा कराई जा सके। वहीं, लोकसभा में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने स्थगन प्रस्ताव लाकर बिहार में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर तुरंत चर्चा की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दूसरी ओर बात अगर विधायी कार्यों की बात करें तो, लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मणिपुर के बजट व्यय पर बयान देंगी। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम में संशोधन संबंधी विधेयक पेश करेंगे। यह दोनों विधेयक खेलों के विकास, खिलाड़ियों की भलाई और निष्पक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हैं। इसके अलावा, बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024 पेश करेंगे, जो भारत के समुद्री कानूनों को अंतरराष्ट्रीय संधियों के अनुरूप बनाएगा और भारतीय शिपिंग उद्योग को मजबूत करेगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मणिपुर की वित्तीय स्थिति पर भी विस्तृत बयान देंगी। सांसद हरीश बालयोगी और सतीश चंद्र दुबे श्रम, वस्त्र और कौशल विकास से जुड़ी संसद की स्थायी समिति की रिपोर्टों के क्रियान्वयन पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

संपादकीय

कुदरत का कोहराम

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह–जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति–नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन–सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे–बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है। हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार–बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह–जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह–जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन–जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित भारतीय वैश्विक नीति

सोहन

आजादी के बाद भारत ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को अपनाया। यानी शासन जनता के प्रति उत्तरदायी है। जिसकी जड़ें हमारे अतीत में हैं। वहीं लिबर्टी का पाठ पढ़ाने वाली वैश्विक ताकतें ही स्वार्थवश जनतांत्रिक राह त्याग रही हैं। हम दुनिया के साथ जुड़ाव चाहते हैं, लेकिन उनकी लोगों की कीमत पर नहीं जिनके पास न आवाज है, न वोट, न स्रोत। स्मृति महज वह नहीं जो कुछ हमें याद

रहे। यह उस बारे में है, जो बनना हमें मंजूर नहीं। उपनिवेशवाद न केवल धन–दौलत लूटता है, बल्कि गरिमा भी खंडित कर देता है। यह पराधीन राष्ट्रों को खुद पर संदेह करना, अपने सहज ज्ञान को नकारना और मान्यता पाने को दूसरे देशों की ओर तकना सिखाता है। भारत के लिए, यह घाव महज चुराए गए अन्न या लूटे गए खजाने का नहीं था। यह मानसिकता में कहीं ज्यादा गहरे तक बदलाव करने वाला रहा रू यह धारणा बना देना कि शासन, व्यवस्था और नैतिकता विदेशों की देन है। तथापि, जब स्वतंत्रता मिली, तो भारत ने अपने उत्पीड़कों का अनुकरण नहीं किया। इसने प्रतिशोध को सिद्धांत या बहिष्कार को नीति के रूप में नहीं अपनाया। विभाजन की राख में, भीषण गरीबी और टुकड़े हुए उपमहाद्वीप के बीच, भारत ने एक क्रांतिकारी निर्णय लिया – अपने लोगों पर पूर्णतया भरोसा करने का। केवल पुरुषों पर ही नहीं, पढ़े लिखों पर ही नहीं, केवल पैसे वाले अमीरों पर नहीं बल्कि सभी पर। वयस्क नागरिकों के लिए समान मताधिकार कोई क्रमिक रियायत नहीं थी। यह आधारभूत हक था। अमेरिका द्वारा मताधिकार अधिनियम पारित करने से भी पहले, कई यूरोपीय मुल्कों द्वारा अपने नागरिकों को पूर्ण मताधिकार प्रदान करने से भी पूर्व, भारत अपने प्रत्येक नागरिक को आवाज दे चुका था। अपने जन्म के समय से ही, हमारा लोकतंत्र एक उधार लिया हुआ विचार न होकर सभ्यतागत सत्यापना थी। लेकिन समय का अपना तरीका है नैतिक स्मृति की परीक्षा लेने का। आज, वही शक्तियां जो कभी हमें लिबर्टी का पाठ पढ़ाया करती थी, अब अपनी उन्हीं लोकतांत्रिक नसीहतों पर कायम रहने के लिए हाथ–पैर मार रही हैं। जिन बाजारों को उन्होंने कभी मुक्त बनाया था, अब उसी को डिजिटल दीवारों और टैरिफ बैरिकेड्स की ढाल के पीछे महफूज बना रही हैं। सबके लिए जिस स्वतंत्रता का कभी वे जोर–शोर से प्रचार करती थीं, अब चुन–चुनकर राष्ट्रों पर प्रतिबंध लगा रही हैं, इसमें सहयोगियों को छूट तो अन्य को नहीं। करुणा सशर्त बन गयी। व्यापार जोर–जबरदस्ती करने का औजार बन गया है। अब यदि लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मुक्त बाजार पर हमला कर रही हैं, आवाजों को दबा रही हैं, टैरिफ का बाजा बजा रही हैं, तुरत–फुरत महानता पाने को, आतंकवादी शासनों से दोस्ती कर रही हैं और अपनी ही दी नैतिक नसीहतों को दरकिनार कर रहीं, तब फिर उन हस्ताक्षरों का क्या मोल, जो वे सकंल्पपत्रों पर और सम्मेलनों में बड़े गर्व से करती हैं? बहुपक्षीय मंचों में, हम देखते हैं कि घोषणाओं को साजिशन कुंद किया जाता है। मानवाधिकारों को लाभ उठाने के औजार होने तक सीमित कर दिया गया है। जलवायु परिवर्तन के वादे दोहराए जाते हैं, लेकिन फिर चुपचाप एक तरफ सरका दिए जाते हैं। शरणार्थियों का अमानवीयकरण किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों पर खुलेआम बेजा पुलिसिया दबाव रखा जा रहा है। युद्धों का मूल्यांकन उनकी मानवीय कीमत से नहीं, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि हथियार किसके हाथ में है। इस बीच, भारत कई लोगों के लिए पहेली बना हुआ है। विकासशील और लोकतांत्रिक। कुछ गड़बडियां है, फिर भी वजूद कायम है। विशाल, फिर भी शायद ही कभी साम्राज्यवादी हसरतें। हमने उन लोगों का तिरस्कार अंगीकार किया जिन्हें हमारे तौर–तरीके की समझ नहीं थी। हमने उन लोगों की उदासीनता को झेला है जिन्होंने हमारी आवाज को खारिज कर रखा था। फिर भी अपने लोगों और दुनिया के साथ बनाए मौन अनुबंध में हमने अपना विश्वास नहीं खोया। हम परिपूर्ण नहीं हैं। खामियां हममें भी हैं। लेकिन हम दिखावा नहीं करते। और यही अंतर मायने रखता है। वैश्विक व्यवस्था में हमारी आमद इसके पाखंडों की विरासत अपनाने के लिए नहीं हुई। हम इसकी निराशावादिता को प्रतिबिंबित करने की एवज में मंच पर अपनी जगह नहीं चाहते। और हमें उनके भाषण की कतई जरूरत नहीं है जो यादों को सुविधानुसार बरतते हैं और न्याय को सौदेबाजी के औजार के रूप में। हमारे संयम को अक्सर मौन समझा जाता है व हमारी सभ्यता को दासता प्रवृत्ति। लेकिन भारत के सभ्यागत दिशा सूचक की सुई वैश्विक स्वीकृति की तरंगों मुताबिक नहीं हिलती। इसकी जड़ें बैलेंस शीट और शिखर सम्मेलन की घोषणाओं से कहीं गहरी हैं। आत्म–सुधार इसका जन्मजात गुण है। और अब, जबकि दुनिया अपने ही अंतर्विरोधों के बोझ तले चरमरा रही है, तो प्रलोभन दिया जाएगा कि हम पीछे हट जाएं, दूसरों को पुनः दुनिया की इबारत तय करने दें और विनम्र सम्मानवश सहमति का सिर हिलाते रहें। लेकिन वह युग बीत चुका है। हाथी की यादाश्त बहुत होती हैः उसे 1947 याद है, जब हमने अधिनायकवादी शासन की बजाय लोकतंत्र को चुना। उसे 1971 याद है, जब पड़ोस में नरसंहार के खिलाफ अकेले हम खड़े हुए थे। उसे 1991 याद है, जब हमने न केवल अपनी अर्थव्यवस्था, बल्कि अपने आत्मविश्वास का भी पुनर्गठन किया था। उसे 1998 याद है, जब साधन संपन्न राष्ट्र परमाणु ताकत को वैश्विक श्रेष्ठता का पैमाना मानते थे, और विशिष्ट समूह में हम जबरदस्ती घुसे, किंतु परमाणु हथियार पहले इस्तेमाल न करने की घोषणा की। और दुनिया ने हाल में ऑपरेशन सिंदूर देखा। हमने जो भी किया, संयम और संकल्प इसकी कुंजी रही। हमने महाशक्तियों की घुड़कियां सुनी, आक्रामकता भरी भौंक सुनी, अवसरवादिता की तीखी चीखें भी। लेकिन दुनिया ने अभी तक हाथी की चिंघाड़ नहीं सुनी है, युद्धघोष के रूप में नहीं, बल्कि स्मृति, नैतिकता और दिशा का आह्वान करने वाली। वह समय अब आ गया है : इसलिए नहीं कि हम कुछ थोपना चाहते हैं, बल्कि इसलिए कि हमें नकल करने से इन्कार है। वार्ता में हावी होने के लिए नहीं, बल्कि उसे किसी ऐसे ठोस लंगर से बांधने को, जो मुनाफे की बजाय चिरकालिक अधिक हो।

कल्पनाशील प्रबंधन व तकनीक रोकेगी हादसे

भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा–हवाई बनकर रह जाता है। वर्ष 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाईस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं। दरअसल, भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती हैं। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन–फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे में इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसमें भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निपटने की सोच से लगातार लैस रहता है। लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है। जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। होना यह चाहिए कि मेले की ओर जाने वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही न घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेड वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेड का कोई मतलब नहीं रह जाता। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेड पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं की कि कौन गिरा है और किसके पेट, पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले–ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है ।

..... विविध .....

जननी अपने आंचल में रखकर नन्हे को पिलाएं अमृत भरपूर

नवजात शिशु के लिए मां का दूध सबसे अच्छी व संपूर्ण खुराक मानी जाती है। आंचल का यह अमृत जच्चा–बच्चा दोनों को हेल्दी रखने में सहायक है। लेकिन कई मांएं अपने बच्चे के लिए पर्याप्त मात्रा में दूध की आपूर्ति करने में असमर्थ रहती हैं। इससे दूध कम हो जाता है । ऐसे में बच्चा दूध नहीं पी पाता। इसके लिए मां को बच्चे का स्पर्श जरूरी है। लैक्टेशन फेल्योर के विषय पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंशु जिंदल से रजनी अरोड़ा की बातचीत। नवजात शिशु के लिए मां का दूध अमृत के समान अमूल्य और दुनिया का सर्वोत्तम आहार है। वैज्ञानिकों ने मां के दूध (आंचल का अमृत) में पाए जाने वाले पोषक और एंटीऑक्सीडेंट्स की वजह से इसे 'फर्स्ट वैक्सीन' का दर्जा भी दिया है। यह शिशु के शारीरिक–मानसिक विकास के साथ ही इम्यून सिस्टम मजबूत बनाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी शिशु को कम से कम जीवन के पहले 6 महीने तक स्तनपान जरूर कराने की सिफारिश की है। जिसे 2 साल जारी रखा जा सकता है। जच्चा–बच्चा दोनों को हेल्दी रखने में सहायक माना जाता है।

क्यों होता है लैक्टेशन फेलियर

कई माएं अपने बच्चे के लिए पर्याप्त मात्रा में दूध की आपूर्ति करने में असमर्थ रहती हैं जिससे बच्चा चिड़चिड़ा या बीमार रहने लगता है। इसके पीछे चाहे मां का स्वास्थ्य ठीक न रहना,स्तनपान न करा पाना जैसे कई कारण हो सकते हैं। इससे दूध कम मात्रा में बनने लगता है और उतरना बंद हो जाता है। इस स्थिति को 'लेक्टेशन फेल्योर' कहा जाता है। शिशु मां के दूध से वंचित रह जाता है और उसे फार्मूला मिल्क या गाय के दूध पर निर्भर रहना पड़ता है। कई स्थितियों में नवजात को मां से दूर रखा जाता है या देर से स्तनपान कराने के लिए दिया जाता है। इससे स्टीमुलेशन कम मिलने से दूध कम बनता है और शिशु ठीक से स्तनपान नहीं कर पाता। कई बार सिजेरियन होने, डिलीवरी के दौरान बेहोश होने या बेइंतहा ब्लीडिंग होने से मां को आईसीयू में रहना पड़ता है। या फिर प्री–मैच्योर बेबी होने या कोई प्रॉब्लम होने के कारण शिशु को कुछ टाइम के लिए नर्सरी में रखा जाता है। डिलीवरी के बाद कम मात्रा में बनने वाले गाढ़े पीले कोलस्ट्रम दूध को नवजात के लिए अपर्याप्त मानते हैं। शिशु को बोतल या कटोरी–चम्मच से फार्मूलेटिड डिब्बाबंद मिल्क या गाय का दूध देते हैं। इससे बच्चे की भूख खत्म हो जाती है और वह मां का दूध नहीं पी पाता। दूध की जगह चोट लगी हो या क्रेक हों तो निप्पल या दूध सप्लाई वाली वेन्स को नुकसान पहुंच सकता है और दूध पिलाने में दिक्कत आ सकती है, शिशु ठीक से दूध नहीं पी पाता और दूध कम होने लगता है। शिशु के तालू में छेद होने के कारण दूध नाक में चला जाता है और उसे सांस लेने में दिक्कत होती है। वह ब्रेस्ट से दूध पीना छोड़ देता है। हार्मोन में गड़बड़ी के चलते भी दूध कम मात्रा में बनता है। कुछ महिलाएं मानसिक तनाव फीगर कांशियस होने की वजह से शिशु को स्तनपान कराने से कतराती हैं। ठीक से न पिलाने पर स्तनों में दूध बनना धीरे–धीरे कम हो जाता है। मां को अगर कैंसर, हार्ट, हाइपो–थॉयराइड जैसी बीमारी है और वह मेडिसिन ले रही है तो दूध उत्पादन प्रभावित होता है। गर्भनिरोधकों के इस्तेमाल से स्तनपान के लेवल में गिरावट आती है।

लैक्टेशन फेलियर से ऐसे करें बचाव

मां का दूध तभी उतरता है, जब बच्चा दूध पीना शुरू करता है। बच्चे का स्पर्श स्तनपान प्रक्रिया में जादुई काम करता है। जरूरी है कि नवजात शिशु को जन्म के बाद मां की बगल में ब्रेस्ट के पास लिटाया जाए। बच्चा जितना ज्यादा दूध पीता है, उतनी अधिक मात्रा में दूध उतरता है। यानी शिशु की भूख और स्तनपान कराने के अनुसार दूध बनता है जो समय पर स्तनपान न कराने पर कम होने लगता है। लें दूसरों की मदद–डिलीवरी के बाद जरूरी है कि मां को घर के कामों के लिए परिवार के सदस्यों की मदद लेनी चाहिए। शिशु को स्तनपान कराना या ज्यादा से ज्यादा शिशु संबंधी काम ही करने चाहिए। इससे वह आराम से ब्रेस्ट फीड करा सकेगी। ज्यादा अंतराल न आने दें– बच्चे को तभी दूध पिलाना चाहिए, जब वो मांगे। लेकिन स्तनपान कराने में 3–4 घंटे से ज्यादा का गैप नहीं रखना चाहिए। हाइजीन का ध्यान–महिला को कोशिश करना चाहिए कि दोनों स्तनों से दूध पिलाए। इससे पहले गर्म पानी से भीगे टॉवल या रुमाल से दूध पिलाने की जगह साफ करना चाहिए ताकि इंफेक्शन का खतरा न हो। पंप का इस्तेमाल–अगर बच्चा नर्सरी में एडमिट है और उसे मां के पास नहीं लाया जा सकता। ऐसी स्थिति में ब्रेस्ट पंप की मदद से मां का दूध 8–10 घंटे के लिए स्टोर कर लिया जाता है और शिशु को दिया जा सकता है। सिजेरियन के बाद दूध पिलाने में मदद– सिजेरियन डिलीवरी के केस में जब मां को दो दिन तक रेस्ट करने को कहा जाता है।

लिवर रक्षा लगातार जांच व सतर्कता से

लिवर शरीर का अहम अंग है जो सेहत संबंधी कई मूलभूत कार्य करता है। जब यह वायरल संक्रमण यानी हेपेटाइटिस रोग की चपेट में आता है, तो स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है। पीजीआई, चंडीगढ़ में हेपेटोलॉजी विभाग के डॉक्टरों के मुताबिक, हेपेटाइटिस के प्रति सतर्कता, जांच व टीकाकरण जरूरी है।

हमारे शरीर में कुछ अंग ऐसे हैं जिनका काम तो चुपचाप चलता है, लेकिन जब वे बीमार होते हैं तो पूरा शरीर इसकी कीमत चुकाता है। लिवर भी ऐसा ही एक अंग है। यह शरीर का सबसे बड़ा आंतरिक अंग है, जो विषैले तत्वों को बाहर निकालने, पोषक तत्वों को संचित करने, पाचन में सहायता करने और प्रोटीन बनाने जैसे सैकड़ों कार्य करता है। लेकिन जब यह अंग हेपेटाइटिस जैसी बीमारी की चपेट में आता है, तो स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है। हेपेटाइटिस का शाब्दिक अर्थ है, जिगर में सूजन। यह सूजन आमतौर पर एक वायरल संक्रमण के कारण होती है, लेकिन शराब, कुछ दवाएं, विषाक्त पदार्थ और ऑटोइम्यून रोग भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। अधिकांश मामलों में कारण वायरल संक्रमण ही होता है। वायरल हेपेटाइटिस मुख्यतरू चार प्रकार के वायरस से होता हैकृहेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई। इनमें से कुछ वायरस अल्पकालिक संक्रमण पैदा करते हैं, जबकि कुछ दीर्घकालिक और जानलेवा स्थिति का कारण बन सकते हैं।

हेपेटाइटिस ए और ई

ये संक्रमित भोजन–पानी से फैलने वाला संक्रमण हैं। हेपेटाइटिस ए और ई वायरस मुख्यतः दूषित भोजन और पानी के जरिए फैलते हैं। पीजीआई के हेपेटोलॉजी विभाग की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. मधुमिता प्रेमकुमार बताती हैं कि आईसीयू में भर्ती तीव्र यकृत विफलता के लगभग आधे मामलों में हेपेटाइटिस ए जिम्मेदार पाया गया है। वहीं एडिशनल प्रोफेसर डॉ. निपुण वर्मा के अनुसार, अब यह संक्रमण हल्के लक्षणों के बजाय दीर्घकाल तक खुजली और असामान्य पीलिया जैसे लक्षणों के साथ सामने आ रहा है, जिनमें स्टेरॉयड या प्लाज़्मा एक्सचेंज जैसी उन्नत चिकित्सा की आवश्यकता हो सकती है।

हेपेटाइटिस बी और सी

ये चुपचाप जिगर को नुकसान पहुंचाने वाले वायरस हैं। हेपेटाइटिस बी और सी वायरस संक्रमित रक्त और शारीरिक फ्लुएड के संपर्क से फैलते हैं। इनके मुख्य कारण हैं

संक्रमित सुई या इंजेक्शन का उपयोग, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाया जाना व संक्रमित व्यक्ति से जन्म लेने वाले नवजात।

इन दोनों वायरस कई वर्षों तक शरीर में बिना लक्षण के मौजूद रह सकते हैं और धीरे–धीरे सिरोसिस , अंतिम चरण की यकृत विफलता या जिगर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। वहीं पीजीआई चंडीगढ़ के हेपेटोलॉजी विभाग के विभागध्यक्ष प्रो. अजय दुसेजा के अनुसार, संस्थान में हर साल 800 से 1000 मरीज क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी और सी के इलाज के लिए देशभर से आते हैं। हेपेटाइटिस अक्सर बिना लक्षण के होता है और जब तक मरीज डॉक्टर के पास पहुंचता है, तब तक जिगर को काफी नुकसान पहुंच चुका होता है।

पंजाब में बढ़ता खतरा

हेपेटोलॉजी विभाग के ही एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सुनील तनेजा बताते हैं कि कुछ राज्यों में हेपेटाइटिस का खतरा विशेष रूप से बढ़ा हुआ है। मसलन, पंजाब में इंजेक्शन के जरिए नशा करने की प्रवृत्ति के कारण हेपेटाइटिस सी संक्रमण का बोझ तेजी से बढ़ा है। राज्य में इको मॉडल के माध्यम से जांच और उपचार को विकेंद्रीकृत कर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है । हाल के वर्षों में हेपेटाइटिस ए संक्रमण कुछ नए लक्षणों के साथ सामने आ रहा है। अब मरीजों में केवल पीलिया ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली खुजली, शरीर में असहजता और पीलिया के दीर्घ लक्षण भी होते हैं।

बचाव के उपाय

हेपेटोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरका डे के अनुसार, 'वायरल हेपेटाइटिस रोके जाने योग्य है।' कुछ सावधानियां बरतें, तो इस संक्रमण से बचा जा सकता है। मसलन, टीकाकरण रू हेपेटाइटिस ए और बी के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीके उपलब्ध हैं। नवजात शिशु को जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस बी का टीका अवश्य दिया जाना चाहिए। वयस्कों को भी डॉक्टर से परामर्श लेकर टीकाकरण करवाना चाहिए। स्वच्छता और सतर्कता रू हमेशा खाने से पहले और शौच के बाद हाथ धोने की आदत डालें। साफ, उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं और भोजन को ढककर रखें।

नशीली दवाओं का सेवन न करें। टैटू या पियर्सिंग कराते समय नई और स्टरलाइज्ड सुइयों का ही उपयोग करें। वहीं सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाना जरूरी है।

मुफ्त जांच और इलाज

हेपेटाइटिस की समय रहते जांच कराना आवश्यक है। जांच से ही यह पता चल सकता है कि आप संक्रमित हैं या नहीं। हेपेटोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन भगत के अनुसार, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण योजना के तहत देशभर में मुफ्त जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

भारत व पाकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा है कव्वाली : डॉ. मो. वसी बेग

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर प्रोडक्टिव एजुकेशन, रिसर्च और ट्रेनिंग (एआईसीपीईआरटी) के चेयरमैन डॉ मोहम्मद वसी बेग ने कहा कि कव्वाली भारत और पाकिस्तान दोनों की सांस्कृतिक विरासत का एक अनमोल हिस्सा है। जिसका सदियों पुराना इतिहास है। कव्वाली की समावेशी प्रकृति ने विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा दिया है। एआईसीपीईआरटी के चेयरमैन डॉ बेग ने गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि कव्वाली सूफी भक्ति संगीत की एक विधा कव्वाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह ईश्वर के प्रति प्रेम व्यक्त करने, आध्यात्मिक अनुभवों को बढ़ावा देने और विविध समुदायों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। इसका समृद्ध इतिहास, जटिल संगीत संरचनाएं और काव्यात्मक बोल इसके स्थायी आकर्षण और प्रभाव में योगदान करते

हैं। उन्होंने बताया कि कव्वाली भारत और पाकिस्तान दोनों की सांस्कृतिक विरासत का एक अनमोल हिस्सा है, जिसका इतिहास सदियों पुराना है। यह एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करती है, जो साझा आध्यात्मिक अनुभवों और संगीत की प्रशंसा के माध्यम से विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाती है। कव्वाली की समावेशी प्रकृति ने विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा दिया है। बेग ने बताया कि हारमोनियम, तबला, ढोलक और सारंगी कव्वाली प्रदर्शनों में प्रयुक्त होने वाले सामान्य वाद्ययंत्र हैं। लय और राग का जटिल अंतर्संबंध एक मनोरम और भावनात्मक रूप से गूंजने वाला अनुभव निर्मित करता है। कव्वालों की भावुक और भावपूर्ण गायन शैली संगीत के प्रभाव के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कव्वाली आध्यात्मिक भक्ति, कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक विरासत का एक सशक्त मिश्रण है, जो कलाकारों और श्रोताओं दोनों के लिए एक अनूठा और समृद्ध अनुभव प्रदान करती है।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,07 अगस्त । शासन के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। इस अभियान के पहले चरण में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में देशभक्ति पर आधारित कई गतिविधियां आयोजित की गईं। पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरौना डोभी और कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय डोभी में बुधवार को छात्रों ने तिरंगा रैली निकाली। साथ ही कला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कम्पोजिट विद्यालय सबरहद में रंगोली बनाई गई। कंपोजिट विद्यालय रन्नो द्वारा क्राफ्ट मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मुफ्तीगंज में छात्राओं ने तिरंगे पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी सृजनात्मकता दिखाई। युपीएस बदलापुर सिरकोनी के बच्चों द्वारा सैनिकों और पुलिसकर्मियों के लिए राखियां बनाकर डाक से भेजी गईं। तिरंगा रैली के दौरान बच्चों ने भारत माता की जय, वन्दे मातरम और इंकलाब जिंदाबाद जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति से भर दिया। जीजीआइसी मछलीशहर, राजकीय उच्चतर विद्यालय उत्तरगांवा धर्मापुर, जीएचएस नरहन केराकत और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर सिकरारा सहित अन्य माध्यमिक विद्यालयों में भी तिरंगा रैली और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मदरा अबरे रहमत मझगंवाकला, जौहरूल उलुम मडियाहूं सहित अन्य मदरसों में भी बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली। जनपद में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र के निर्देशन और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में सभी परिषदीय विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और मदरसों में घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजन किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे पूरे उत्साह और लगन के साथ तिरंगा रैली निकाल रहे हैं। वे पेंटिंग और रंगोली बनाकर राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों के अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में शामिल करके हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाएं।

मॉडर्न ग्रुप के नन्हे बच्चों ने भारतीय सैनिकों के संग अनोखे ढंग से मनाया रक्षाबंधन

अयोध्या।रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मॉडर्न ग्रुप के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने देश के रक्षकों हमारे वीर सैनिकों को अपनी भावनाओं की डोरी से बाँधा लिया।बुधवार को इन मासूम बच्चों ने अपने नन्हें नन्हे हाथों से सैनिकों के कलाई पर रक्षा–सूत्र बाँधकर न केवल त्योहार की मिठास बाँटी, बल्कि अपने दिलों की गहराइयों से सैनिकों के त्याग और बलिदान को नमन भी किया।इस मौके पर बच्चों ने सैनिकों को तिलक लगाकर, मुस्कान और श्रद्धा से भरपूर अपनी छोटी–छोटी हथेलियों से उनके हाथों पर राखी बाँधी।इस अवसर पर जहाँ एक ओर सैनिकों की आँखों में गर्व की चमक थी,वहीं दूसरी ओर बच्चों की मासूम मुस्कान में अपार प्रेम और सम्मान झलक रहा था।इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक रमेश चन्द्र श्रीवास्तव,आशीष श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य कौशल कुमार सिन्हा, अनिल वर्मा शाहिद अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

प्रहलाद नगरी नाम को लेकर खत्म हुई रार! जिले के भारी संख्या में नागरिकों ने नाम बदलने पर जताया विरोध

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

प्रहलाद नगरी नाम को लेकर शुरू हुई रार अब खत्म हो गई है।जिले के भारी संख्या में नागरिकों ने नाम बदलने पर विरोध जताया है। हरदोई जनपद का प्राचीन ऐतिहासिक नाम हरदोई से बदलकर अचानक प्रह्लाद नगरी करने की रार जिला पंचायत से नहीं बल्कि भाजपा के नवागंतुक नेता आदर्श दीपक मिश्रा के जनवरी 2025 में सीएम योगी को दिए पत्र से शुरू हुई थी, उन्होंने सीएम से व्यक्तिगत रूप से मिलकर कुछ अन्य मांगों के साथ हरदोई का नाम प्रहलादनगरी करने का अनुरोध किया था। जिले का प्राचीन व ऐतिहासिक नाम बदलने की जानकारी पर नागरिकों ने खुलकर विरोध शुरू कर दिया, जिसमें भारी तादात में नागरिकों ने आपत्ति दर्ज कराई, इस वजह से मामले की पड़ताल की तो पता चला कि जिला पंचायत हरदोई की नाम बदलने की कोई मंशा नहीं है, और न ही ऐसा कोई एजेंडा पास किया गया है। हरदोई निवासी भाजपा नेता आदर्श दीपक मिश्र के मांग पत्र पर सीएम कार्यालय ने संज्ञान लिया और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय

प्रसाद ने डीएम हरदोई को इस विषय पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। जिस पर 09 जून को एडीएम (न्यायिक) प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत से जनपद का नाम हरदोई से बदल कर प्रहलाद नगरी किए जाने की आख्या मांगी। जिसके बाद 18 जुलाई को जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में इस विषय को रखा गया था, बोर्ड सदस्यों में आधे से ज्यादा ने नाम बदलने पर अपनी सहमति नहीं दी। हरदोई का नाम बदलने की जानकारी आम नागरिकों को जब जिला पंचायत की बैठक के जरिये हुई तो नागरिकों जिले के ऐतिहासिक नाम बदलने जाने पर अपना विरोध जताना शुरू कर दिया, सोशल मीडिया पर करीब एक सप्ताह तक लोगों ने इस विषय पर अपनी कड़ी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की। हरदोई की जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने बताया कि जिले का ऐतिहासिक नाम बदले जाने का जिला पंचायत या उनके किसी सदस्य का प्रस्ताव नहीं था, बल्कि डीएम कार्यालय से 09 जून 2025 को जारी पत्र के संदर्भ में आख्या उपलब्ध कराने के विषय में था, इसलिए उक्त विषय को बोर्ड की बैठक में रखा गया था, जिसमें सदस्यों की क्रिया प्रतिक्रिया के आधार पर आख्या प्रस्तुत की जा रही है, उन्होंने आगे बताया कि जिलेवासियों की भावनाओं को भी ध्यान में रखते हुए उनकी क्रिया–प्रतिक्रियाओं को आख्या में शामिल किया गया है, जिसकी सम्पूर्ण आख्या प्रेषित जा रही है।

जनपद में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है - प्रभारी मंत्री ए के शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,07अगस्त। नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा विभाग के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में बाढ़ और वर्षा से उत्पन्न परिस्थितियों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री ने जनपद में बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर हैं। कुछ स्थानों पर जल भराव है, लेकिन अभी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए गोताखोर, राहत सामग्री और अन्य संसाधनों की व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित कर ली गई है।

सिंचाई विभाग के साथ समन्वय कर कार्य किया जा रहा है। अतिवृष्टि से प्रभावित घरों के लिए क्षतिपूर्ति प्रदान करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रभारी मंत्री ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को पशुओं में रोग प्रसार रोकने के लिए टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पहले से ही टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़कों पर जलजमाव की स्थिति में जलनिकासी की व्यवस्था करने और सड़कों की त्वरित मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। सभी अधिशासी अधिकारियों को गड्ढा मुक्ति और नालियों को ढकने की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने बिजली के तारों और खंभों की जांच करने, जर्जर तारों को बदलने और ट्रांसफार्मर जलने पर तुरंत बदलने के निर्देश दिए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी लेते हुए उन्होंने कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने स्वदेशी अथवा लोकल फॉर वोकल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन हेतु लोगों को जागरूक करें। आगामी त्योहारों में स्थानीय स्तर पर बनी वस्तुओं को खरीदें जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। प्रभारी मंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जनपद में बाढ़ जैसी कोई समस्या नहीं है। जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है।सभी व्यवस्थाएं पर्याप्त हैं जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिये पूरी तैयारी है। हालांकि सन 1980 के बाद जनपद में आजतक बाढ़ नहीं आई है।नदी के तटवर्ती इलाकों में पानी घुस गया है उसके लिए सभी व्यवस्थाएं पर्याप्त कर दिया गया है। उन्होंने समस्त जनपद वासियों को आगामी त्योहारों तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सम्मानपूर्वक अपने–अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करें। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने मंत्री को आश्वस्त कराया कि उनके दिए गए दिशा निर्देशों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

निबंध प्रतियोगिता से संस्कृत के प्रचार पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को संस्कृत संभाषण कार्यशाला के तहत निबंध प्रतियोगिता हुई। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने संस्कृत भाषा में लेखन किया और अपने ज्ञान को प्रदर्शित किया। निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने कहा कि संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए संस्कृत संभाषण कार्यशाला की शुरू हुई है।

सहारा ग्रेस की क्वींस ने धूमधाम से मनाया सावन उत्सव

लखनऊ, (संवाददाता)। सहारा ग्रेस की क्वींस ने मंगलवार को जानकीपुरम स्थित क्लब में रंगारंग सावन उत्सव का आयोजन किया। इसकी थीम थी आया सावन झूम के। यशोधरा और ऋचा की मधुर आवाज ने माहौल में चार चांद लगा दिए। सविता, नमिता, सोनिका, प्रियंका, कविता और पल्लवी के नृत्य ने समा बांध दिया। इस अवसर पर मालती, सविता, नमिता, सोनिका, मंजू, संगीता, आयुषी, पूनम आदि मौजूद रही। दूसरी तरफ नाका हिंडोला होटल में टैलेंट हंट फाउंडेशन की महिलाओं ने भी सावन उत्सव मनाया।

दिव्यांगजनों को स्वावलंबन की राह पर लाने के लिए उत्तर प्रदेश में 6 से 13 अगस्त तक विशेष रोजगार अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 6 से 13 अगस्त, 2025 तक राज्यभर में दिव्यांगजन रोजगार अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी जनपदों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त और अन्य पात्र दिव्यांगजनों को सेवायोजन के अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिलेगी और वे स्वावलंबी जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकें।व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल के निर्देशन में पहली बार इस प्रकार की पहल की गई है। इसके अंतर्गत विगत तीन वर्षों में आईटीआई, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना एवं उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांगजनों की जनपदवार सूची तैयार कर जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दी गई है, ताकि स्थानीय उद्योगों में उनका त्वरित और प्रभावी सेवायोजन किया जा सके।उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों, दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारियों, जिला उद्योग उपायुक्तों और जिला समन्वयकों के साथ समीक्षा बैठक कर इस अभियान के संचालन हेतु विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार वर्ष 2025–26 में सभी कौशल प्रशिक्षण लक्ष्यों में दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन और बेहतर रोजगार का अवसर मिल सके।

थाना पूरा कलंदर क्षेत्र में लूट, हत्या धमकी देने वह अन्य अपराधी मामलों में शामिल सरगना का एसपी ने किया खुलासा

अयोध्या।बुधवार को थाना पूराकलंदर सहित बीकापुर कोतवाली व थाना तारुन क्षेत्र में हुई आपराधिक घटनाओं का एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी तथा एसपी सिटी चक्रपान त्रिपाठी की मौजूदगी में खुलासा पुलिस लाइन स्थित सभागार में किया।बताया कि थाना पूराकलंदर पुलिस ने इस सरगना के मुख्य आरोपी व उनकी पत्नी के साथ गैंग में शामिल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि इस गैंग में शामिल आरोपियों का मुख्य कार्य नकली नोट का कारोबार, पैसा दुगना करना, जान से मारने की धमकी देना,गलत तरीके से कार्य करना डकैती लूट आदि अआपराधिक घटना करते थे।जिससे रामनगरी की छवि धूमिल हो रही थी।एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख मे सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष पूरा कलंदर देवेंद्र सिंह सहित कई पुलिस कर्मियों को लगाया गया था।बुधवार को गठित टीम जिसमें शामिल प्रभारी निरीक्षक पूरा कलंदर व गठित टीम ने इन आरोपियों को रायबरेली रोड पर निर्माणाधीन रिंग रोड के पास गोपालपुर जाने वाली नहर रोड से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार किए गए आरोपियो में राजा मानसिंह पूर्व मानसिंह पुत्र हनुमत सिंह निवासी ग्राम सरियावा थाना पूरा कलंदर, दुष्यंत सिंह उर्फ राजा सिंह पुत्र स्वर्गीय दिनेश सिंह निवासी सरियावा थाना पूरा कलंदर,अनूप सिंह पुत्र स्वर्गीय इंद्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम मौकापुर पुर थाना पूरा कलंदर,अंजनी सिंह पुत्र स्वर्गीय लाल सिंह निवासी अल्लाह दासपुर चौरी थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी, गौरव सिंह पुत्र स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह निवासी ग्राम चत्रपात्री पोस्ट रुकखास थाना इनायत नगर, अमरीश तिरपाल गोस्वामी पुत्र राजेंद्र गोस्वामी निवासी शहरों सरियावा थाना पूरा कलंदर,उत्कर्ष तिवारी पुत्र स्वर्गीय रविंद्र तिवारी निवासी निराला नगर पूजनपुर कोतवाली अयोध्या तथा नीतू सिंह पट्टी राजा मानसिंहपुर मानसिंह निवासी ग्राम सरियावा थाना पूरा कलंदर शामिल है। बताया कि इस गैंग में शामिल आरोपी भोले भाले लोगों को पहले जाली नोटों को चलाने का झांसा देते थे वहीं मुख्य आरोपी की पत्नी वह छेड़खानी आदि का मुकदमा दर्ज करने की धमकी देती थी।पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान इन आरोपियों के पास से 6 लाख 50000 हजार रुपये, आधार कार्ड,एक महिंद्रा स्कार्पियो एक महिंद्रा थार, तथा आभूषण बरामद किए। उन्होंने बताया मुख्य आरोपी राजा मानसिंह उर्फ मानसिंह एक हिस्ट्री शीटर है।इसके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में 14 मुकदमे दर्ज हैं,अनूप सिंह के खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में नौ मुकदमे दर्ज हैं।बताया कि इस घटना का अनावरण करने में प्रभारी निरीक्षक थाना पूरा कलंदर देवेंद्र सिंह प्रभारी सर्विलांस टीम उप निरीक्षक अमरेश त्रिपाठी,उप निरीक्षक कृष्ण यादव उप निरीक्षक आकाश कुमार यादव,उप निरीक्षक कमलेश साहनी, उप निरीक्षक जय किशन सिंह, महिला उपनिरीक्षक प्रिया मिश्रा सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।इसके अलावा सीओ बीकापुर पीयूष के नेतृत्व मे कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में एटीएम बदलकर पैसा निकाल निकलने वाले गिरोह का पर्दा पास बीकापुर पुलिस ने किया है इस संबंध में उन्होंने बताया कि प्रभारी निरीक्षक बीकापुर लाल चंद्र सरोज व उनकी टीम ने एटीएम बदलकर पैसा निकालने वाले एक आरोपी अंकित उर्फ गोल्डी पांडे पुत्र प्रेम शंकर उर्फ लल्लू पांडे निवासी सगरा सुंदरपुर थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है।जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।पुलिस ने इसके पास से मोबाइल, एटीएम कार्ड भी बरामद किया है।वहीं थाना अध्यक्ष तारुन संदीप त्रिपाठी ने रामपुर भगन चौकी के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 17 साइकिल जो की चोरी के बताए जा रहे हैं बरामद किया पुलिस ने इस मामले में शामिल तीन आरोपियों जिसमें राम धीरज उर्फ राजन पुत्र रामफेर निवासी गोपालपुर थाना तारुन, दिलीप कुमार पुत्र रामपाल निवासी गोपालपुर थाना तारुन व रामदेव पुत्र स्वर्गीय शोभे निवासी चरावां डिहवा को गिरफ्तार किया।

विरासत पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा कालिंजर किले में 16 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में विरासत पर्यटन को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पर्यटन विभाग ने बांदा जिले स्थित ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, कालिंजर–पन्ना और कालिंजर–बांदा मार्गों पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों योजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई है।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि कालिंजर किला देशी–विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है और सरकार यहां हेरिटेज टूरिज्म को नई ऊंचाई देने के लिए कटिबद्ध है। मानसून के समय विंध्य पर्वतमाला पर स्थित यह किला हरियाली, झरनों और बादलों के साथ अत्यंत आकर्षक दिखाई देता है। करीब 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह दुर्ग भारतीय स्थापत्य का अद्भुत उदाहरण है और अपनी मजबूती के लिए देशभर में प्रसिद्ध है।मंत्री ने बताया कि कालिंजर किला देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या में बीते वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में जहां 1,35,566 पर्यटक आए थे, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 4,54,177 हो गई। वर्ष 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही और वर्ष 2025 में अभी तक (जनवरी से जुलाई) 4,03,012 पर्यटक यहां पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोत्तरी सरकार द्वारा बेहतर पहुंच, डिजिटल प्रचार और स्थानीय सुविधाओं के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि कालिंजर किले को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के लिए डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था की 4 करोड़ की परियोजना मंजूर की गई है, जिससे रात्रिकालीन दृश्यता बढ़ेगी और पर्यटकों को आकर्षक वातावरण मिलेगा। यह परियोजना न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी बल्कि स्थानीय यातायात और सुरक्षा में भी सहायक होगी।जयवीर सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सतत कार्य कर रही है। कालिंजर किले का संरक्षण, सौंदर्यीकरण और आधुनिक पर्यटक सुविधाओं का विस्तार उत्तर प्रदेश को विरासत पर्यटन के मानचित्र पर और अधिक प्रमुखता प्रदान करेगा।

जुलाई तक आबकारी विभाग को रिकॉर्ड राजस्व, अवैध शराब के विरुद्ध सख्त अभियान जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में जुलाई माह तक प्रदेश सरकार को 18,583.19 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 18.09 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2024–25 में इसी अवधि तक 15,736.29 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस वर्ष विभाग को 2,846.90 करोड़ रुपये अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।जुलाई 2025 में अकेले 4,354.28 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि जुलाई 2024 में यह आंकड़ा 3,952.53 करोड़ रुपये था। इस प्रकार जुलाई माह में भी 401.75 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। तय लक्ष्य के अनुसार जुलाई 2025 तक 19,200 करोड़ रुपये की प्राप्ति का अनुमान था, जिसके विरुद्ध 96.79 प्रतिशत की पूर्ति कर ली गई है।राजस्व वृद्धि के साथ–साथ आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई भी तेज कर दी है। जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के कुल 39,495 अभियोग दर्ज किए गए हैं। इन अभियानों में 10.60 लाख लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई है। अवैध कारोबार में संलिप्त 7,399 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 1,426 को जेल भेजा गया। साथ ही, तस्करी में प्रयुक्त 54 वाहनों को जब्त किया गया।पिछले वर्ष जुलाई 2024 तक प्रदेश में अवैध शराब से जुड़े 36,184 अभियोग दर्ज किए गए थे, जिनमें 9.64 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद हुई थी। उस दौरान 8,345 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई थी, जिनमें से 2,437 को जेल भेजा गया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय को 'इंडिया टुडे रैंकिंग 2025' में देश का सर्वश्रेष्ठ उन्नत सरकारी विश्वविद्यालय घोषित किया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि लखनऊ विश्वविद्यालय ने 'इंडिया टुडे रैंकिंग 2025' में 'सर्वाधिक उन्नत सामान्य सरकारी विश्वविद्यालयों' की श्रेणी में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि बीते पाँच वर्षों (2020 से 2025) के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति का प्रमाण है, जिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत ढाँचे, डिजिटलीकरण, नवाचार और संकाय विकास जैसे कई पहलुओं पर बेहतर प्रदर्शन को आंका गया।इंडिया टुडे की वार्षिक रैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार, इस सूची में उन विश्वविद्यालयों को सम्मिलित किया गया है, जिन्होंने गत पाँच वर्षों में अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020 में 23वें स्थान से आगे बढ़ते हुए 2025 में 11वां स्थान हासिल किया है। इस सुधार दर के आधार पर विश्वविद्यालय को टॉप–5 में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। इस सूची में आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय (गुंटूर), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (अमृतसर), भरतियार विश्वविद्यालय (कोयंबटूर) और डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि

समाजवादी विचारधारा के प्रतीक जनेश्वर मिश्र की जयंती पर अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्तंभों में शुमार जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। राजधानी के गोमतीनगर स्थित भव्य जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित मुख्य समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके योगदान को याद करते हुए प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।अखिलेश यादव ने इस मौके पर कहा कि जनेश्वर मिश्र ने डॉ. राममनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के साथ मिलकर समाजवाद को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की जो वैचारिक धारा है, वह देश को मजबूती देने का काम करेगी। उन्होंने देश की सीमाओं की मजबूती का जिक्र करते हुए।

सक्रिय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 21 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण के लिए की जा रही सघन चेकिंग और सतर्कता अभियान के अंतर्गत आशियाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसके पांच सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 21 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनमें बुलेट, यामाहा, अपाचे आरटीआर, बजाज प्लैटिना, हीरो ग्लैमर, स्प्लेंडर, पैशन प्रो, एचएफ डीलक्स, टीवीएस स्पोर्ट्स, होंडा शाइन, होंडा साइन, और सीडी डीलक्स जैसी विभिन्न कंपनियों की गाड़ियां शामिल हैं। कई वाहनों की नंबर प्लेट भी गायब थी,।

स्तनपान शिशु के स्वस्थ्य जीवन की पहली सीढ़ी है – प्रधानाचार्य

देश की उपासना।
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुरः। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्य प्रो० डा० रूचिरा सेठी के दिशा निर्देश में डा० सरिता पाण्डेय विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी एवं डा० ममता, विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रीक्स विभाग के द्वारा 06 अगस्त, 2025 को षविश्व स्तनपान सप्ताह पर अस्पताल भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य प्रो० डा० रुचिरा सेठी ने अपने संबोधन में बताया कि विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल अगस्त के पहले सप्ताह में 01 से 07 अगस्त तक मनाया जाता है। स्तनपान न केवल एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, बल्कि यह शिशु के स्वस्थ्य जीवन की पहली सीढ़ी है। यह शिशु को आवश्यक पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही, यह माता को भी अनेक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाता है। उप प्रधानाचार्य प्रो० डा० आशीष यादव ने अपने उद्बोधन में जोर दिया कि स्तनपान कराने वाली माँ को विस्तारित परिवार और समुदाय के समर्थन की आवश्यकता होती है। बचपन के प्रारंभिक वर्षों से जुड़ी कई बीमारियों के साथ, माँ का दूध, जो पौष्टिक होता है, मस्तिष्क के विकास और शारीरिक विकास के लिए अति आवश्यक होता है, प्रतिरक्षा प्रदान करता है और इसके बहुत सारे लाभ हैं, इसे माताओं और उनके परिवारों के बीच सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने अपने विचरो को प्रकट करते हुए बताया कि स्तनपान जैसी यह साधारण चीज, जो एक माँ अपने बच्चे के लिए कर सकती है, बड़े आधुनिक अस्पतालों और हाई–टेक गैजेट्स की तुलना में बच्चे के स्वास्थ्य के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने माँ की दूध की तुलना धरती माँ से की जो कोमल पत्तियों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए पौधे की जड़ो को पोषण देती है। आर्थोपेडिक्स विभाग के विभागध्यक्ष प्रो० डा० उमेश सरोज ने बताया कि मातृत्व केवल एक प्राकृतिक प्रक्रिया नहीं है– यह आपका अदम्य धैर्य, आत्म–त्याग और निःस्वार्थ सेवा का प्रवाह हैं एक माँ की मजबूत बाँहें हमें जीवन की राह दिखाती हैं। उसी तरह हमारा आर्थोपेडिक्स विभाग भी आपकी जीवनधारा को पुनः प्रेरित करने की प्रयास करता है–चाहे वह चोटों का पुनर्निर्माण हो या गठिया जैसी विकारों के उपचार में समर्थन। आज हम सभी माताओं का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने अपनी मातृत्व यात्रा में चुनौतियों का सामना किया, चोटों से उबर कर परिवार को संभाला, और अपनी शारीरिक सीमाओं के बावजूद जीने की प्रेरणा दी। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डा० सरिता पाण्डेय ने स्तनपान के लिए शिशु की सही स्थिति और जुड़ाव पर व्याख्यान दिया उन्होंने यह भी कहा की विशेषकर गर्भावस्था के दौरान मां का पोषण शिशु के समुचित विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था के दौरान माँ को अपने सामान्य आहार से 300 किलो कैलोरी अधिक पोषण लेना चाहिए, जबकि स्तनपान के दौरान उसे अपने आहार में 550 किलो कैलोरी अधिक शामिल करना चाहिए।

बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डा ममता ने बताया कि मां का दूध नवजात शिशु के लिए आदर्श है और एक माँ अपने बच्चे को सबसे अच्छा उपहार दे सकती है। माँ के दूध में जन्म से लेकर जीवन के पहले 6 महिनों तक प्रयाप्त वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व होते है और इस लिए अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए पहले 6 महिनों तक केवल स्तनपान कराना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डा० स्वाती विश्वकर्मा, सहायक आचार्य एवं डा० प्रियाशी सिंह, आब्स एण्ड गायनी विभाग के द्वारा किया गया। स्तनपान के दौरान होने वाली कुछ समस्याओं जैसे स्तन वृद्धि, स्तनदाह, फोड़ा और उनके प्रबंधन के बारे में बताया। बाल रोग विभाग की डा० रेनू एवं डा० प्रिति विश्वकर्मा द्वारा स्तनपान के लिए सही स्थिति तथा जुड़ाव व स्तनपान से जुड़े हुए कुछ तथ्य और भ्रांतियों पर भी विस्तृत जानकारी दी गयी। डा० जयसूर्या, सहायक आचार्य, पीडियाट्रीक्स विभाग के कुशल नेतृत्व में एम०बी०बी०एस० फाइनल वर्ष के छात्रो द्वारा नुक्कड़ नाटक किया गया। पोस्टर और बैनर का कम्पटीशन भी किया गया जिसमें विजेता छात्र/छात्रा को पुरस्कार प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया। डा० पूजा पाठक, सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन ने बताया कि समाज में कई भ्रांतियाँ, व्यस्त जीवन शैली और जागरूकता की कमी के कारण माताएं स्तनपान से दूर होती जा रही हैं, ऐसे समय में हमारी यह सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि हम इस विषय में सही जानकारी प्रसारित करें, और महिलाओं को प्रोत्साहित करें कि वे अपने शिशु को कम से कम 6 माह तक अनन्य रूप से स्तनपान कराएं। मेडिकल कालेज के चिकित्सा शिक्षक का भी दायित्व बनता है कि हम छात्राओं को विशेषकर किशोरियों को इस विषय में जागरूक करें ताकि आने वाले कल की माताएं स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण कर सकें। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक डा० सी०बी०एस० पटेल (परीक्षा नियंत्रक), डा० विनोद कुमार, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० चन्द्रभान, डा० जितेन्द्र कुमार, डा० अचल सिंह, डा० विनोद वर्मा, डा० अमजा अंसारी, डा० मुदित चौहान, डा० नवीन सिंह, डा० अरविन्द यादव, डा० अजय, डा० संजीव यादव, डा० अलिशा अंजुम, डा० अनिल, डा० श्वेता, डा० अर्चना, डा० प्रियंका, डा० पंकज, डा० मो० शादाब व नर्सिंग आफिसर, कर्मचारीगण तथा छात्र/छात्राएं व मरीज और तीमारदार उपस्थित थे।

सपा की मासिक बैठक में समाजवादियों ने ली शपथ, 2027 में हर बूथ पर जिताएंगे साइकिल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्याध बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने 2027 के विधानसभा चुनाव में हर बूथ पर साइकिल निशान को जिताने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। हर बूथ पर मतदाता सूची का गहन अध्ययन कर जो भी नाम मतदाता सूची में नहीं है उनको जुड़वाएं और जो उस बूथ के मतदाता है उनका नाम कटने ना पाए।पारसनाथ यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने तानाशाही के बल पर मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी करना चाह रही है। समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता मतदाता सूची पर विशेष ध्यान रखें ताकि गड़बड़ी न होने पाए। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री पवन पांडे ने कहां की भाजपा सरकार में जुल्म,अत्याचार, लूट, डकैती, महिला अपराध चरम पर है प्रदेश में जंगलराज कायम है। आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी का सफाया कर देगी। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां संगठन के विस्तार व मजबूती पर विस्तार पूर्व चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर अखिलेश यादव बनकर साइकिल निशान को जिताने का काम करेगा। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव बख्तियार खान ने किया। कार्यक्रम को राम अचल यादव,हाजी फिरोज खान गब्बर,राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप, बाबूराम गौड़ बलराम मौर्य चौधरी शहरयार, छोटेलाल यादव,अमृत राजपाल जिला उपाध्यक्ष एजाज अहमद, रामजी पाल, ओपी पासवान,जेपी यादव,आकिब खान,हलीम पप्पू, दान बहादुर सिंह,शोएब खान,रामकरण यादव,शिवकुमार यादव,सरोज यादव,जय सिंह यादव,गोविंद विश्वकर्मा, समरपाल सिंह यादव, कैलाश कोरी,सियाराम निषाद,पृथ्वीराज यादव,छोटेलाल यादव,अजय वर्मा राजू,गया प्रसाद यादव,रामतेज यादव,राजेश कुमार,बिंदेश्वरी यादव, राष्ट्रीय कवि अली सईद सहित तीन दर्जन से अधिक नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में बृजेश सिंह,रितेश यादव ,मायाराम यादव, वैश्य अंसारी, रोली यादव,चंद्रकांत साहू,अतुल यादव,नागेंद्र यादव,अश्वनी यादव, राम बहादुर यादव,वशी हैदर गुड्डू,असलम,पवन यादव, ललित यादव,लालदेव चौरसिया,राकेश चौरसिया ,भानु प्रताप यादव,सियाराम यादव,विजय यादव,सुखराम यादव,राम नारायण वर्मा,सूर्यनारायण यादव,फूलचंद यादव,प्रमोद यादव,सुनील भारती,अमरनाथ यादव,सीताराम यादव,प्रदीप यादव,अजय यादव,सुनील भारती,अनस खान,इश्तियाक खान,मनोज यादव, फरहान,सुरजीत यादव,डॉक्टर माखनलाल यादव,रामस्वरूप फैजाबादी,सतीश यादव,अंसार अहमद, विंध्या सिंह,दयाराम वर्मा, रविंद्र चौरसिया सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी के पहले होगी पूजा स्थलों की मरम्मत व सफाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आगामी 16 अगस्त से प्रारंभ होने वाले श्री कृष्ण जन्माष्टमी पूजा से पहले प्रस्तावित 23 स्थलों की सफाई एवं आवश्यकतानुसार मार्गों एवं नालियों की मरम्मत कराई जाएगी। इसके साथ ही मार्ग प्रकाश व्यवस्था का भी प्रबंध होगा।यह निर्देश महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने अपने कक्ष में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समितियों के पदाधिकारी संग बैठक में दी। इस मौके पर नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार भी मौजूद थे।इस मौके पर

केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल के संयोजन में आयोजित बैठक में महापौर ने कहा कि नगर निगम जल्द ही कृष्ण जन्माष्टमी गणेश उत्सव दुर्गा पूजा एवं रामलीला जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के मद्देनजर कंट्रोल रूम स्थापित करेगा, जिसमें समितियां आवश्यकता अनुसार अपने सुझाव दर्ज कर सकेंगीं और उसका समय से समाधान कराया जाएगा। उन्होंने समितियों के सुझाव खास तौर से मार्गों की मरम्मत, नालियों पर पटिया रखवाने तथा पूजा स्थलों की निरंतर सफाई कराने का भरोसा दिया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि विसर्जन स्थल पर टेंट लगवाने, पूजा स्थलों पर पेयजल के लिए वॉटर टैंकर उपलब्ध कराने, चूने का छिड़काव, फागिंग तथा एंटी लार्वा का छिड़काव नियमित कराने तथा डस्टबिन रखवाने का निर्देश महापौर ने दिया।महापौर ने मार्ग प्रकाश व्यवस्था को समय से व्यवस्थित करने का निर्देश प्रकाश विभाग को दिया। समितियों ने कश्मीरी मोहल्ला में बिजली का तार नीचे होने, लालबाग रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज के नीचे अंधेरा होने, बहेलिया टोला में पेयजल समस्या,अश्विनीपुरम में मलवा जमा होने तथा कांतिनगर में जल भराव होने की शिकायत दर्ज कराई।समितियों ने आगामी 23 अगस्त को विसर्जन यात्रा के समय शराब और मांस की दुकान बंद रखने की मांग की।उन्होंने समितियों को शिकायत को संज्ञान लेते हुए बेसहारा पशुओं को शहर से बाहर करने का भरोसा दिया। केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने पिछली वर्ष की बेहतरीन व्यवस्था के लिए नगर निगम का आभार जताया।इस मौके पर उपसभापति राजेश गोंड, पार्षद जय नारायण रिंकू सिंह, संतोष सिंह, अनुज दास, अपर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत कुमार एवं सुमित कुमार, सहायक अभियंता जलकर जयकुमार के अलावा समितियां की ओर से जेएन चतुर्वेदी, अशोक गुप्त, अखिलेश पाठक, गगन जायसवाल, सुप्रीत कपूर, अतुल सिंह आदि मौजूद थे।

खाद की समस्या को लेकर किसानों में बढ़ते आक्रोश व रुदौली नगर क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सौपा एसडीएम को ज्ञापन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के रुदौली तहसील क्षेत्र में बढ़ती खाद की समस्या से किसानों में बढ़ते आक्रोश व रुदौली नगर क्षेत्र में जल भराव की समस्या को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व रुदौली विधान सभा क्षेत्र के नेता एहसान मो. अली उर्फ चौधरी शहरयार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने उप जिलाधिकारी रुदौली से मिल कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर तत्काल समस्याओं के समाधान की मॉग की।ज्ञापन में कहा गया की फसलों के लिए उपयोग में लिए जानी वाली खाद का अभाव है जिससे किसानों को अपनी फसलें बचाने में बहुत कठिनाई हो रही है।किसानों की बड़ी तादाद में निकटतम सहकारी समितियों पर हजारों हजार की संख्या में सुबह अंधेरे से ही लाइन लग जाती हैं परंतु उन्हें खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही।इसी की आड़ में खाद कारोबारी बढ़े हुए दामों में चोरी छिपे इसे बेच रहे हैं।खाद की कमी के कारण किसानो की फसलों को पहुँच रहे नुकध्सान के कारण किसनों में भारी आक्रोश है।रुदौली नगर क्षेत्र की समस्या उठाते हुए कहा गया की वर्षा में भारी जलभराव की स्तिथि उत्पन्न हो रही है।नगर पालिका परिषद की लापरवाही के कारण बरसात शुरू होने से पहले नालेध्नालियों को समय से पूर्व ना साफ करना व तालाबों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को नजरंदाज करना भी इस जलभराव का कारण है।रुदौली नगर क्षेत्र में एक बड़े नाले की आवश्यकता है जिससे नगर का पानी दूर गिराया जा सके इस अवसर पर रुदौली बार के अध्यक्ष चौधरी अजीमुद्दिन,विनोद लोधी,विधान सभा अध्यक्ष युवजन सभा शुऐब खां,भानु यादव,पूर्व सभासद मो.सालिम, मो. इद्रीस,जिला सचिव मो.मुस्लिम,जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा मो. जफर,सोनू यादव,प्रमोद कौशल आदि मौजूद रहे।

अनुशासन व शिक्षा के साथ कोई समझौता नहीं - ओंकार नाथ

अयोध्या। राजकीय इंटर कॉलेज अयोध्या के प्रधानाचार्य ओंकारनाथ के मुताबिक अनुशासन तथा शिक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।उन्होंने बताया कि कॉलेज

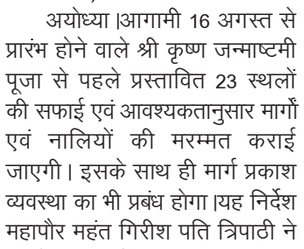

परिसर के अंदर किसी भी तरह का एंड्रॉयड फोन पूर्णतया प्रतिबंधित है।अगर चेकिंग के दौरान किसी भी छात्र के पास से कोई एंड्रॉयड फोन बरामद होता है तो उसे कार्यालय में जमा करा लिया जाता है और अभिभावकों से संवाद करने तथा ऐसी दोबारा ऐसी पुनरावृति न होने की बात स्वीकार करने पर ही दुबारा मोबाइल दिया जाता है। बताते चले कि ओंकार नाथ राजकीय इंटर कॉलेज के पहले ऐसे प्रधानाचार्य हैं जिन्होंने देवकाली–फतेहगंज मार्ग के मुख्य मार्ग पर स्थित मुख्य गेट को हमेशा के लिए बंद करा दिया है और उसमे ताला लगवा दिया है।जिससे बाहरी लोगों, पशुओं, अराजक तत्वों का प्रवेश कतई ना हो सके।उन्होंने बताया कि छात्रों के प्रवेश के लिए सिर्फ एक गेट जेल के पीछे ओवर ब्रिज के बगल से है।उन्होंने बताया कि इससे कॉलेज का शैक्षिक वातावरण शांत पूर्वक ढंग से रहता है।वही बाहरी अराजक तत्व,पशु, वाहन आदि इस कॉलेज परिसर के अंदर नहीं आ पाते है।मालूम हो कि फायर स्टेशन का भवन निर्माणाधीन होने के चलते इस विभाग के अधिकारियों को फायर से संबंधित वाहनों,उनके कर्मचारियों को कॉलेज परिसर में रखने के लिए काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा था। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे तथा जिला विद्यालय निरीक्षक डाक्टर पवन कुमार के यह कहने पर ही कुछ अवधि के लिए ही कॉलेज परिसर में रहने की शर्त पर दिया गया।प्रधानाचार्य ओंकारनाथ का मानना है कि एंड्रॉयड फोन से चाहे साइबर अपराध हो या अन्य अपराध,सभी को बढ़ावा मिल रहा है जिसके चलते उन्होंने अपने कॉलेज में पूर्णतया यह फोन प्रतिबंधित कर दिया है।उन्होंने अभिभावकों से अपील किया है कि यदि उनके बच्चे दूर दराज से आ रहे हैं तो कीपैड फोन का इस्तेमाल करें।

अयोध्या रेलवे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर लल्लू सिंह की केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और अयोध्या रेलवे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अयोध्या के बाईपास्ध कोर्ड लाइन (सुलतानपुर–मसौधा) के निर्माण और रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे।लल्लू सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि अयोध्या में पिछले कुछ वर्षों में रेलवे कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने मांग की कि अयोध्या को बाहरी इलाकों से जोड़ने के लिए बाईपास्ध्कोर्ड लाइन का निर्माण शीघ्र शुरू किया जाए। इस प्रस्ताव के तहत, सुलतानपुर–मसौधा रेल लाइन के निर्माण से न केवल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी, बल्कि यात्रियों और माल ढुलाई के लिए भी सुविधा बढ़ेगी।पूर्व सांसद ने यह भी बताया।

पीड़ित जिले के किसी भी थाने में साइबर सेल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते : शुभम वर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,07अगस्त । साइबर अपराधों के खिलाफ पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देशन में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जिले में साइबर थाने का निर्माण किया जा रहा है। इस नए साइबर थाने को दो विभागों में बांटा गया है – फाइनेंशियल फ्रॉड और नॉन–फाइनेंशियल फ्रॉड। इस मामले बुधवार को हिंदुस्थान समाचार से बात करते हुए सीओ साइबर अपराध शुभम वर्मा ने बताया कि पीड़ित जिले के किसी भी थाने में साइबर सेल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। अगर पीड़ित संतुष्ट नहीं होता है, तो वह सीधे साइबर थाने आ सकता है। वहां उसके मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में ऑनलाइन फ्रॉड तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर

महिलाओं के अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी या वायरल करने जैसे अपराधों में भी इजाफा हुआ है। सीओ शुभम वर्मा ने स्पष्ट किया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर कोई अनजान फोन आता है तो घबराएं नहीं। तुरंत पुलिस से संपर्क करें, पुलिस तत्काल मदद करेगी। जिले में साइबर अपराधों को रोकने के लिए पुलिस की कार्यशैली को साइबर सेल और साइबर थाना में विभाजित किया गया है। साइबर सेल सूचना आदान–प्रदान का काम करता है, जबकि साइबर थाना इस डाटा पर विवेचना करता है। सीओ वर्मा ने एक हालिया मामले का उदाहरण दिया जिसमें एक पीड़ित के साथ 3 लाख 58 हजार रुपये का फ्रॉड हुआ था। पीड़ित को बैंक कार्ड रिडीम करने के नाम पर फर्जी लिंक पर क्लिक करने को कहा गया था। शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के अंदर पीड़ित का सारा पैसा वापस आ गया।

खाद्य विभाग के कर्मियों द्वारा चेकिंग अभियान लगातार जारी

अयोध्या। सहायक आयुक्त (खाद्य)।। के निर्देशन में रक्षाबन्धन पर्व पर आमजनमानस को सुरक्षित खाद्य पदार्थ एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने हेतु विशेष छापामार कार्यवाही में डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियो ने छापा मारा।टीम के सदस्यों ने अम्बेडकर नगर रोड, मोहतरिम नगर पर रोहित यादव से 01 नमूना मिश्रित दूध, संदीप कुमार से 01 नमूना सोन पापड़ी, पूरा बाजार, जलालुद्दीन नगर पर अमित मिष्ठान भण्डार से 01 नमूना पेडा, मवई अजय यादव डेरी से 01 नमूना पनीर, गंगा प्रसाद से 01 नमूना स्पेशल पेड़ा, अरविन्द से 01 नमूना छेना स्वीट, पूरा बाजार, जलालुद्दीन नगर पर मक्खन लाल स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेंट के यहां रू0 2450– मूल्य का 4 क्रि0ग्रा0 बर्फी तथा 03 कि0ग्रा0 छेना स्वीट नष्ट कराया गया।खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल खाद्य सुरक्षा अधिकारी, संतोष कुमार साहू, अनूप सिंह, सुमित चौधरी, नन्द किशोर यादव,खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अजय कुमार सोनी, जयदीप मौर्य,विवेक कुमार मौर्य,शरद पाल के द्वारा प्रभु श्रीराम रेस्टोरेन्ट, श्रृंगारहाट, अयोध्या से 01 नमूना पनीर, श्रीराम कैफे श्रृंगारहाट, अयोध्या से 01 नमूना दही व 01 नमूना पनीर, जलेबीवाला चौक, रीडगंज से 01 नमूना गुलाब जामुन का संग्रहित कर जांच हेतु जनविश्लेषक प्रयोगशाला को भेजा गया।

विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान बनाने का संकल्प – कुलपति

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई। इस बैठक में राज्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा गत 4 अगस्त को विश्वविद्यालय आगमन पर नवीन परिसर के दो भवनो तुलसी एवं धनवंतरी भवन का लोकार्पण के साथ अहिल्याबाई होल्कर महिला छात्रावास के तीनों ब्लॉक एवं आचार्य नरेंद्र देव महिला छात्रावास, लवकुश एवं सरयू छात्रावास का निरीक्षण किया था। कुलाधिपति द्वारा अन्य विभागों की सुविधाओं को परखने के लिए परिसर का निरीक्षण भी किया था। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय में चल रहे प्रगति कार्यों के प्रति प्रसन्नता व्यक्त किया। इसी संदर्भ में आयोजित बैठक में कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों, विभागाध्यक्षों शिक्षकों एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम एवं पूर्ण मनोयोग से सहयोग किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर विश्वविद्यालय को एक उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करने का संकल्प है। इसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है। वर्तमान नए सत्र को दृष्टिगत रखते हुए पठन–पाठन के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के लिए निर्देश दिया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह वित्त अधिकारी पूर्णेन्द्र शुक्ल, कुलानुशासक, प्रो. एसएस मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो सी के मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो शैलेंद्र कुमार, प्रो हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो सुरेन्द्र मिश्र, उप कुलसचिव दिनेश मौर्य, डॉ. रीमा श्रीवास्तव, अजय कुमार गौतम, डॉ. पी के द्विवेदी, डॉ विनोद कुमार चौधरी, डॉ. दीपशिखा चौधरी, रवि मालवीय, विष्णु यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

कंपोजिट विद्यालय रन्नो के बच्चों ने भव्य तिरंगा झांकी की प्रस्तुति दी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, हर घर तिरंगा अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय रन्नो के बच्चों ने भव्य तिरंगा झांकी की प्रस्तुति दी और देश प्रेम की भावना को बलवती करने के साथ ही साथ भारत को आजादी दिलाने वाले वीर शहीदो को भी याद किया। इस अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत विद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा तिरंगा रैली निकाली गई। हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यालय में क्राफ्ट मेकिंग कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत आकर्षक तिरंगा बैज तथा सजावटी क्राफ्ट बनाना सिखाया गया। प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव ने बताया कि शासन एवं प्रशासन के निर्देश पर विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हो रहे हैं, जिसमें यह हर घर तिरंगा अभियान का प्रथम चरण है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव समेत के के सिंह, जाहिरा बेगम, ओम प्रकाश यादव, प्रदीप कुमार, आलोक , आशीष,अलमदार , आंगनबाड़ी तथा समस्त रसोइया मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।